निदेशक (शिक्षाशास्त्र विध्याशाखा)

कृपया अवगत होना चाहें, दिनाँक 19/04/2018 को भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रेषित पत्र(पत्रांक सं-F.N.7-14/In-service/KH-001/2015-RCI 6728)में "In-service Training & Sensitization of Key functionaries of State Government, Local bodies and other Service Providers" नामक कार्यक्रम/कार्यशाला केंद्रीयकृत अनुदान (सामाजिक न्याय एवं आधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार) के सहयोग से उत्तराखंड राज्य में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के सहयोग से पौड़ी एवं अल्मोड़ा ब्लॉक के शिक्षक एवं प्रशिक्षु शिक्षक हेतु करायी जानी है| पत्र की प्रति टीप के दाहिनी ओर रक्षित है|कार्यशालाओं के आयोजनों से सम्बंधित तिथियों एवं स्थानों काउल्लेख निम्नवत है-

क्रम सं	तिथि	स्थान	अग्रिम
1	31 मई –1 जून, 2019	पौड़ी ब्लाक हेतु हे.न.ब.ग.विवि., पौड़ी परिसर	2,00,200
2	14-15जून, 2019	अल्मोड़ा ब्लाक हेतु कुमाऊँ विवि, अल्मोड़ा परिसर	2,00,200

कार्यशाला के आयोजन के सहयोग में शिक्षाशास्त्र विध्याशाखा के सदस्यों पौड़ी हेतु श्रीमती मनीषा पन्त एवं अल्मोड़ा हेतु डॉ कल्पना लखेडा की उपस्थिति भी अपेक्षित है| भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली द्वारा कार्यशालाओं हेतु रु.4,00,400/ की बजट धनराशि पूर्व में ही उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के खाते में भेज दी गयी है| प्रथम चरण मे पौड़ी ब्लाकस्तर की कार्यशाला दिनांक 31 मई –1 जून, 2019 को कराई जा चुकी है| द्वितीय चरण मे कार्यशाला का आयोजन दिनांक14-15 जून, 2019 कोअल्मोड़ा ब्लाक हेतु कुमाऊँ विवि, अल्मोड़ा परिसर मे करायी जानी है। जिसको RCI के निर्देशानुसार निम्न मदों में खर्च किया जाना प्रस्तावित है|

S.No.	Heads for Expenditure	Amount Required (for 2 days)
1.	Remuneration to Programme Coordinator	Rs. 3,000/
2.	Remuneration to Resource Persons(min.4 lectures/day)	Rs. 8,000/
3.	Accommodation for 4 resource person	Rs. 10,000
4.	Travelling cost of 4 resource person outstate	Rs.20,000
	Travelling cost of 4 resource person local	4,000
	Working Lunch/dinner/tea/coffeeMax.for 40 participants+10 extra(Resource persons, coordinator)	50,000
	Programme Kit(content, handous, posters, pen pad) bag with logo of DEPwD and RCI for 40 paricipants+10 Resource persons	32,000
5.	Photography and videography	Rs.6,000
6.	Preparation of Report	Rs. 5,000
7.	Accommodation for participants	Rs.32,000
8.	Travelling cost of participants	Rs.30,000
	Total	Rs,1,82,000
10.	Administrative Expenditure10 percent of total budget	Rs.18,200
	GRAND TOTAL	***2,00,200***

पत्रावली कार्यशाला के आयोजन की स्वीकृती एवं अग्रिम हेतु अवलोकनार्थ एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत|

कार्यशाला रिपोर्ट-पौडी ब्लाकॅ

केन्द्रीय सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार एवं भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के द्वारा पौडीब्लाक के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को विभिन्न विकलांगताओं यथा मानसिक मंदता, नेत्रहीनता, मूक-बधिर एवं पढने में अक्षमता से ग्रसित बच्चों हेतु विशिष्ट शिक्षा के प्रति एवं निशक्तजनों के पुनर्वास एवं रोजगार सम्बन्धी प्रावधानों व केन्द्र-राज्य सरकारों द्वारा किये जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी के प्रति जागरूक करने हेतु एक कार्यशाला का आयोजन हे. न. ब. गढ्वाल विवि के पौडी परिसरमें दिनाँक 31 मई से 1 जून 2019को आयोजित की गयी|कार्यशाला का उद्घाटन पौडी परिसरनिदेशकप्रो के. सी.पुरोहित , उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय क्षेत्रिय केंद्र के निदेशकप्रो. ए.के. डोबरियालएवं प्रो.प्रभाकर बडोनीऔरउत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विशिष्ट शिक्षा विभाग के कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने दीप प्रज्ज्वलन करके किया|

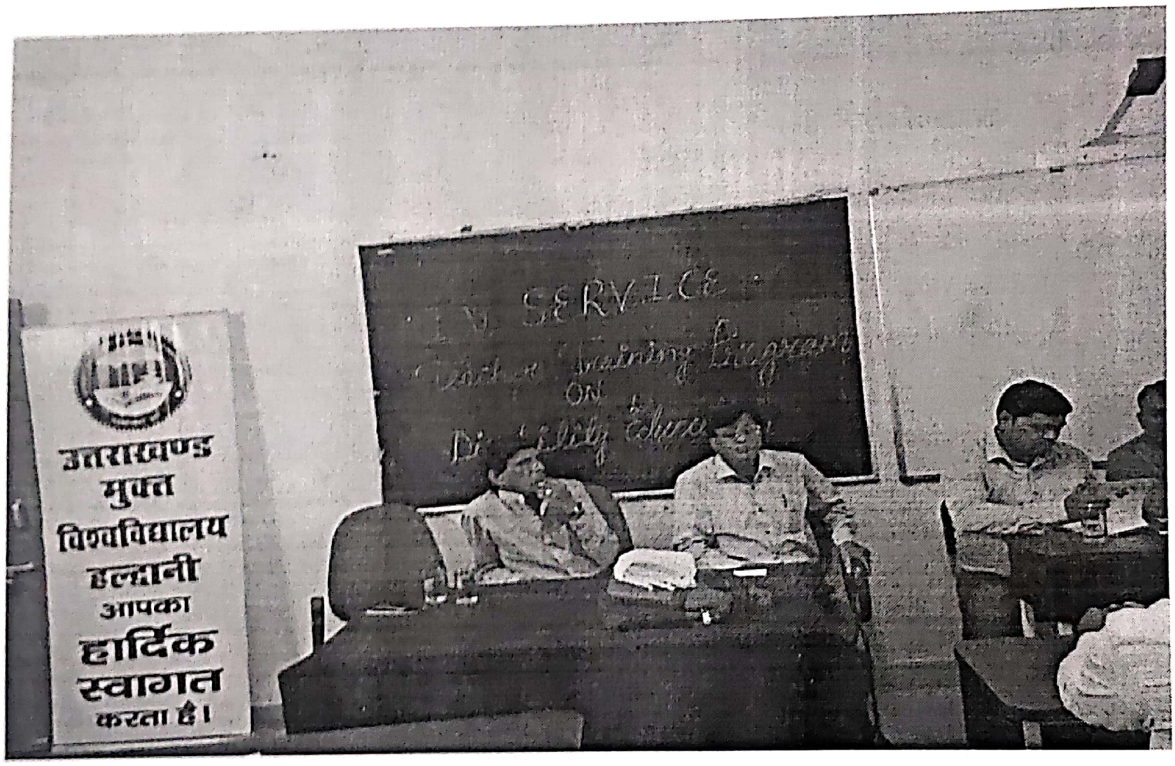

उद्घाटन सत्र में अपने संबोधन में पौडी परिसर निदेशक प्रो के. सी.पुरोहितजी ने दिव्यांग लोग भी समाज के विकास मे महति भूमिकानिभा सकते हैंइसके लिये हमें उनको हर तरह कीगतिविधियों में भाग लेने पर अवसर देने पर जोर दिया|और कार्यशाला में आये प्रतिभागियों से अपेक्षा की कि वे दिव्यान्गता के विषय में जों कुछ भी जानकारी प्राप्त करके जाएँ उसे अपने कार्यक्षेत्र में प्रयोग में लाकर दिव्यांगों कों समझ की मुख्यधारा में शामिल करें और राष्ट्र के निर्माण में सहयोग दें|प्रो. ए.के. डोबरियाल ने अपने संबोधन में दिव्यांगताके वैज्ञानिक कारण को बतायासाथ ही

दिव्यांग लोगों को सरकार द्वारा चलायी जा रही योजना का लाभ दिलवाने की अपील प्रतिभागियों से की। प्रो. प्रभाकर बडोनी ने कहा कि दिव्यांग लोगों के पुनर्वास हेतु चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं को दिव्यांग लोगों तक पहुंचाने की अपील की। कार्यशाला के संयोजक एवं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विशिष्ट शिक्षा विभाग के कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने कार्यशाला के विषय, रूपरेखा एवं महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्यपौड़ीजनपद के ग्रामीण क्षेत्र के विभिन्न प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को विकलांग बच्चों एवं निशक्तजनों के लिए क़ानूनी प्रावधान,विशिष्ट शिक्षा का प्रबंध, उनमें विकलांगता की पहचान करना एवं सामान्य विद्यालयों में समावेशी शिक्षा के अंतर्गत उनको प्रवेश देना उनके शैक्षिक अधिकारों ,पुनर्वास सम्बन्धी अधिकारों एवं नई तकनीकियों के माध्यम से शिक्षण एवं केन्द्र-राज्य सरकारों द्वारा किये जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी देना है।

प्रतिभागियों में अध्यापक श्री करमवीर सिंहएवं रुचि बिष्टने अपेक्षा की कि इस कार्यशाला के द्वारा से शिक्षकों को दिव्यांग बच्चों को सामान्य विद्यालयों में पढ़ानेसे सम्बंधित तकनीकी के प्रशिक्षण का लाभ मिलेगा| और उनके पठन पाठन से सम्बंधित विभिन्न जानकारी का लाभ वो ले सकेंगे|

कार्यशाला के तकनीकी सत्रों में श्रीमती सुनीता सैनीने प्रतिभागियों को विकलांगता को परिभाषित करते हुए इसके प्रकारों एवं विकलांगता के प्रति बनी अवधारणाओं कों स्पष्ट किया|डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने भारतीय पुनर्वास परिषद् एक्ट १९९२ के बारे में विस्तार से बताया| दीपिका अग्रवालने सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों की जानकारी दी और समावेशी शिक्षा के संप्रत्यय से प्रतिभागियों को अवगत कराने के साथ ही दिव्यांग-जन अधिनियम बताया|श्री सतीश चौहान द्वारा विकलांगता कों पहचानने सम्बन्धी वैज्ञानिक विधियों, उनका कारण, एवं शीघ्र हस्तक्षेपन के विषय में बताया| विकलांगता के हस्तक्षेपन में कार्य करने वाले विशेषज्ञों की भूमिका और उत्तरदायित्वों के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की|श्रीमती मीनाक्षी चौहान के द्वारा सांकेतिक भाषा के विषय में बताया गया|मूक बधिर व्यक्ति और बच्चों को Sign language (प्रतीकों के माध्यम अथवा इशारों द्वारा भाषा की अभिव्यक्ति) से अध्यापन की विधि बताई और उनका अभ्यास कार्यशाला के प्रतिभागियों को उनका अभ्यास करवाया|

कार्यशाला के दूसरे दिवस दिनाँक 01/06/2019के तकनीकी सत्रों में विषय विशेषज्ञ दीपिका अग्रवाल ने बाधा रहित वातावरण, समावेशन के विषय पर जानकारी दी और विकलांगता का परिवार पर पड़ने वाले प्रभाव को बताया|साथ ही विकलांग बच्चों के चिन्हीकरण, शैक्षिक पुनर्वास एवं उपचारार्थ हेतु शीघ्र हस्तक्षेपन केन्द्र (Early Intervention Centre) के विषय में बताया|श्रीमती मीनाक्षी चौहान द्वारा कार्यशाला के प्रतिभागियों को राष्ट्रीय न्यास के द्वारा चलायी जा रही योजनाओं एवं UNCRPD के विषय में जानकारी दी साथ हीविकलांगता के कारण बच्चों में होने वाली मानसिक बीमारी, उसका मनोसामाजिक प्रभाव के विषय में बताया नेत्रहीन बच्चों के लिए ब्रेल लिपि के विषय में बताया|सतीश चौहान ने केन्द्र एवं राज्य सरकारों द्वारा दिव्यांग व्यक्तियों को दी जा रहे लाभों एवं सुविधाओं की जानकारी दीओरसमावेशी शिक्षा के सन्दर्भ में केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों की जानकारी दी साथ ही निशक्तजन के लिए बाधा रहित पर्यावरण निर्माण एवं रोजगार सर्जन के विषय में बतलाया| सुनीता सैनी द्वारा शिक्षण एवं कौशल प्रशिक्षण की योजनाओं, राष्ट्रीय विकलांग वित्त विकास निगम के विषय में बताया|डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने विकलांग एवं निशक्तजनों हेतु उपलब्ध रोजगार एवं नौकरियों की जानकारी के विषय में बताया| क़ानूनी रूप से रोजगार के प्रावधानो कों स्पष्ट किया|

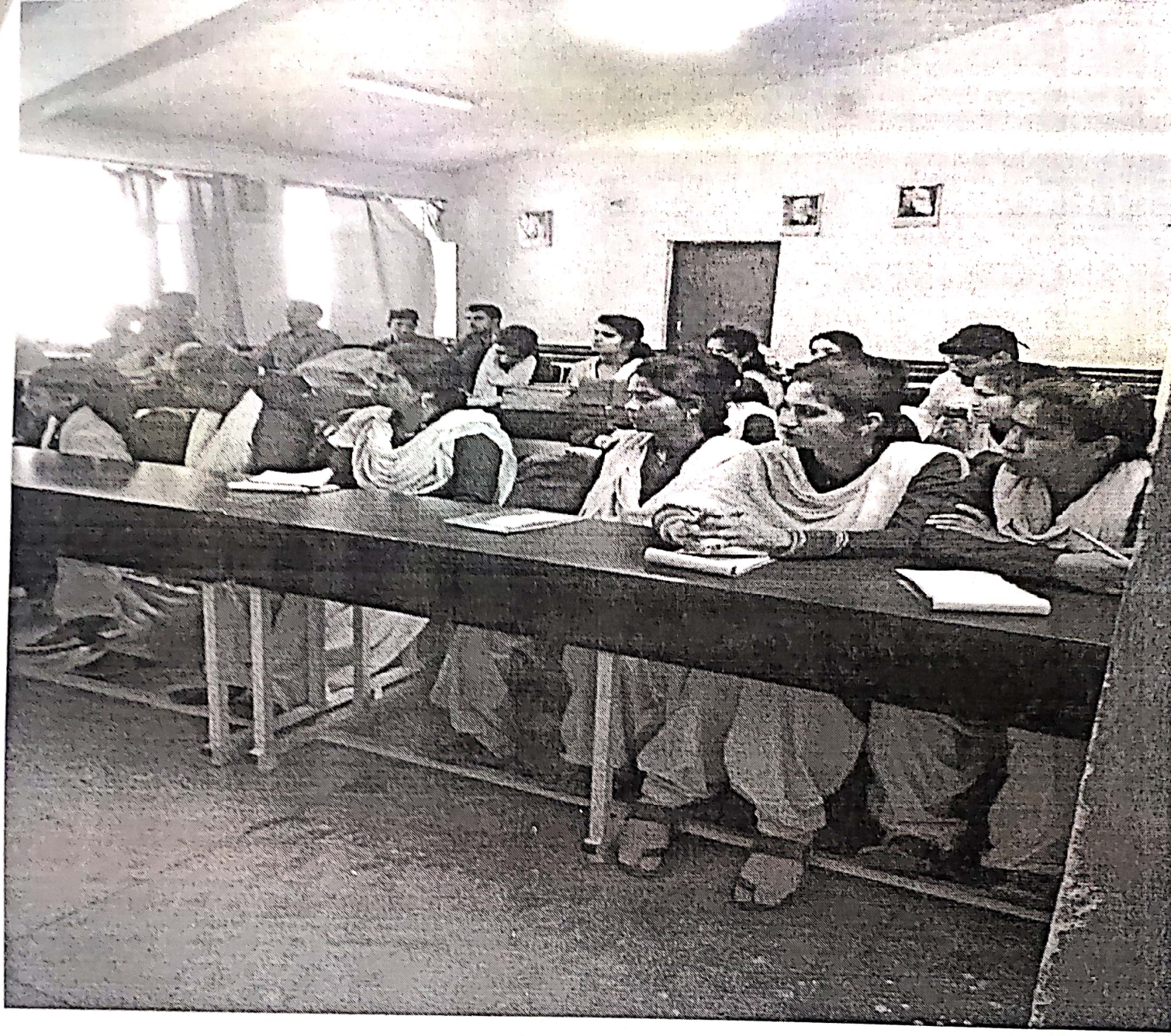

कार्यशाला के समापन सत्र में प्रो के. सी.पुरोहित जी ने एवं प्रो. ए.के. डोबरियाल हे.न.ब.गढ़वाल विश्वविद्यालय के बी.एड. विभाग पौड़ी परिसर की प्रभारी प्रो.अनीता रुडोलाने कार्यशाला में आये प्रतिभागियों को प्रतिभाग का प्रमाण पत्र प्रदान किया|इससे पूर्व अपने संबोधन में प्रो के. सी.पुरोहित द्वारा अपने संबोधन में दिव्यांगजनोंको शिक्षा के माध्यम से सशक्त एवं स्वाबलम्बी बनाये जानेकी अपील की और इस प्रकार के प्रशिक्षण शिक्षकों के लिए लाभकारी होते हैं| प्रो.अनीता रुडोला ने अपने संबोधन में शिक्षकों के लिये कार्यशाला को लाभकारी बताया|प्रो. ए.के. डोबरियाल ने अपने उद्बोधन में दिव्यांग बच्चों को स्नेह के साथ ही उनके शिक्षा एवं रोजगार की जानकारी शिक्षक एवं अभिभावक दोनों कों होनी चाहिये और इस प्रकार की कार्यशाला बहुउपयोगी होती हैं|डॉ कुसुमडोबरियालने उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी और भारतीय पुनर्वास परिषद्, नई दिल्ली द्वारा दिव्यांगता के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयासों की सराहना की और इस प्रकार के आयोजन को दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों के लिए आवश्यक बताया|

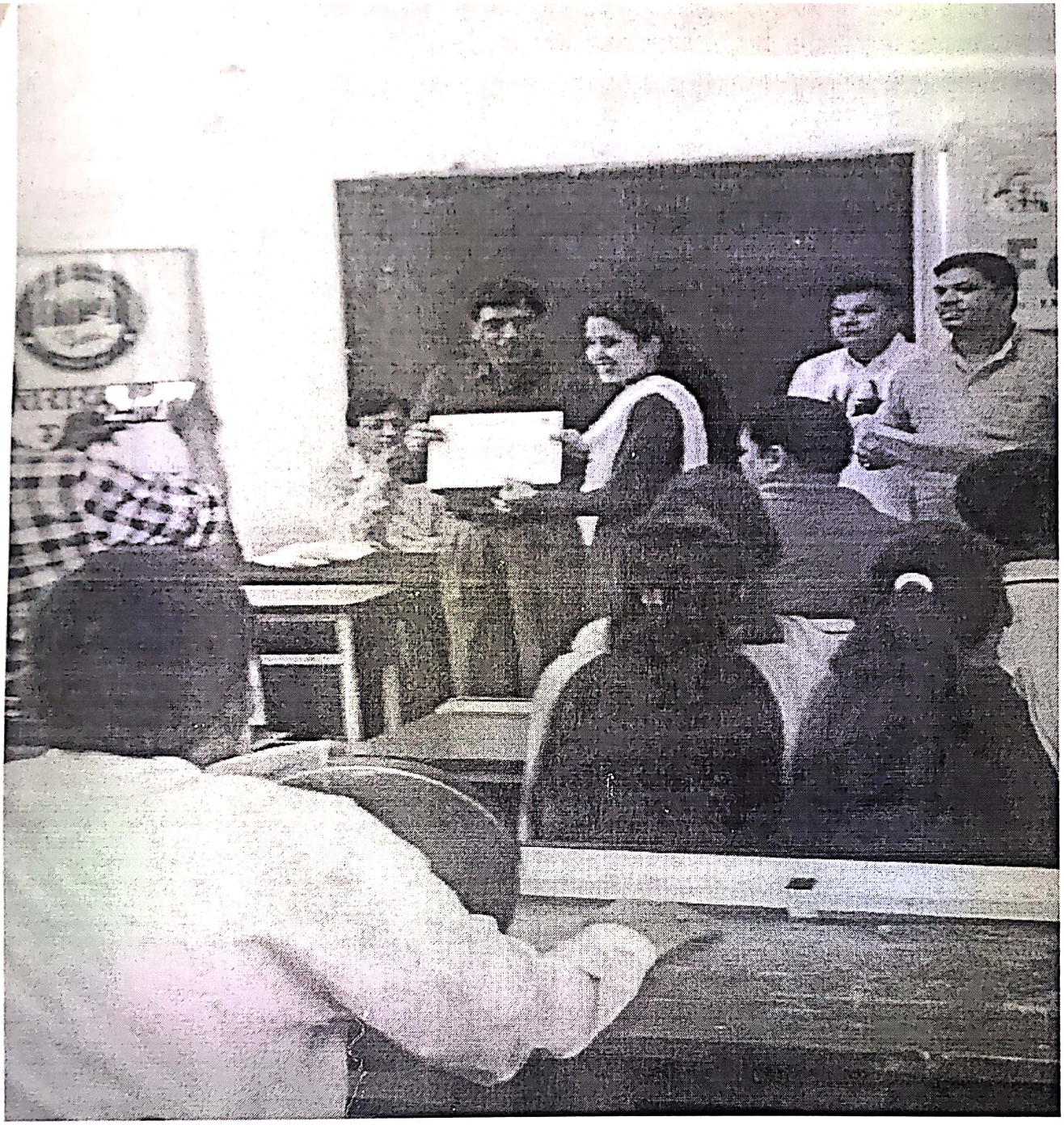

प्रतिभागी शिक्षकसुश्री दीक्षा ने इस प्रकार की कार्यशाला को उपयोगी बताया| और जो कुछ क्रियाकालाप और प्रशिक्षण प्राप्त किये उसको समावेशी शिक्षा के अंतर्गत प्रयोग में लाने की बात बोली| साथ हीदिव्यांग बच्चों को पढ़ाने हेतु नई तकनीकी का ज्ञान और उनके अभिभावकों को दिव्यांग बच्चों के अधिकारों को जागरूक करने में इस कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को सहायता मिलेगी|कार्यक्रम के अंत में कार्यशाला के संयोजक एवं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विशिष्ट शिक्षा विभाग के कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने आमंत्रित मुख्य अतिथि, विषय विशेषज्ञों एवं पौडीब्लाक के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया|

दिव्यांगों को मुख्यधारा में जोड़ती है शिक्षा: प्रो. केसी पुरोहित

पौड़ी। उत्तराखंड मुक्त विवि की ओर से बीजीआर परिसर पौड़ी में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ हो गया है। इसमें शिक्षक-शिक्षिकाओं को दिव्यांग छात्रों के पठन-पाठन को लेकर प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। शुक्रवार को बीजीआर परिसर पौड़ी में मुख्य अतिथि परिसर निदेशक प्रो. केसी पुरोहित ने प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि दिव्यांग भी समाज के विकास में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसके लिए उन्हें बेहतर शिक्षा दी जानी आवश्यक है। यूओयू के क्षेत्रीय निदेशक प्रो. एके डोबरियाल ने प्रतिभागियों को दिव्यांगों के अधिकारों की जानकारी दी। कार्यशाला के संयोजक डा. सिद्धार्थ पोखरियाल ने कार्यशाला के उद्देश्य, दिव्यांगों की शिक्षा के प्रावधानों, जीवन कौशल व रोजगार को लेकर जानकारी दी। मास्टर ट्रेनर संतोष चौहान व सोनाक्षी चौहान ने दिव्यांग छात्र, उसके प्रकार, उनके अधिकार व शिक्षा प्रणाली को लेकर जानकारी दी। कार्यशाला में प्रो. पीपी बड़ोनी ने भी विचार व्यक्त किए। ब्यूरो

दिव्यांग छात्रों से भावनात्मक रुप से जुड़ने की जरुरत

पौड़ी। उत्तराखंड मुक्त विवि की ओर से बीजीआर परिसर पौड़ी में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न हो गई है, जिसमें परिसर निदेशक प्रो. केसी पुरोहित ने कहा कि दिव्यांगों को सशक्त व आत्मनिर्भर जाने की दिशा में सरकारी व गैर सरकारी स्तर पर कार्य बेहतर कार्य किए जाने की आवश्यकता है। डा. कुसुम डोबरियाल ने कहा कि दिव्यांग छात्रों से मनोवैज्ञानिक व भावनात्मक रुप से जुड़ने का आवश्यकता है। डा. अनीता रुडोला ने दिव्यांगजनों के पाठ्यक्रम में आवश्यकता के अनुरूप बदलाव किए जाने पर जोर दिया। यूओयू के क्षेत्रीय निदेशक प्रो. एके डोबरियाल ने प्रतिभागियों को दिव्यांगों के अधिकारों की विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला में संयोजक डा. सिद्धार्थ पोखरियाल, मास्टर ट्रेनर मीनाक्षी चौहान, रुचि बिष्ट व सृष्टि बहुगुणा मौजूद थे।

कार्यशाला रिपोर्ट –अल्मोड़ा

केन्द्रीय सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार एवं भारतीय पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के द्वारा अल्मोड़ा जिले के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत लगभग 90 शिक्षक -शिक्षिकाओं प्रशिक्षु अध्यापकों को विभिन्न विकलांगताओं यथा मानसिक मंदता, नेत्रहीनता, मूक-बधिर एवं पढने में अक्षमता से ग्रसित बच्चों हेतु विशिष्ट शिक्षा के प्रति एवं निशक्तजनों के पुनर्वास एवं रोजगार सम्बन्धी प्रावधानों व केन्द्र-राज्य सरकारों द्वारा किये जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी के प्रति जागरूक करने हेतु एक कार्यशाला का आयोजन कुमाऊँ विश्वविद्यालय के अल्मोड़ा परिसर के सभागार में दिनाँक 14-15 जून, 2019 को आयोजित की गयी| कार्यशाला का उद्घाटन शिक्षाशास्त्र विभाग की प्राधयापिका डॉ ममता असवाल व कार्यशाला के संयोजक एवं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विशिष्ट शिक्षा विभाग के कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार गोखरियाल द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया |

द्घाटन सत्र में अपने संबोधन में डॉ ममता असवाल ने दिव्यांग बच्चों के अध्यापन हेतु शिक्षकों के लिए इस प्रकार की कार्यशालाओं के अधिकाधिक आयोजनों की आवश्यकता बताई| शिक्षकों पर इन दिव्यांग बच्चों की बड़ी जिम्मेदारी

का होना बताया और मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा लगातार इस प्रकार की कार्यशालाओं का आयोजन शिक्षा के क्षेत्र के लिए सराहनीय प्रयास है | कार्यशाला में आये प्रतिभागी शिक्षकों को प्रशिक्षण प्राप्ति उपरान्त दिव्यांग बच्चों के शिक्षण में आगे आने की अपील की | कार्यशाला के संयोजक एवं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विशिष्ट शिक्षा विभाग के कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने कार्यशाला के विषय, रूपरेखा एवं महत्व पर प्रकाश डाला उन्होंने बताया कि कार्यशाला का उद्देश अल्मोड़ा जिले के विभिन्न प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को विकलांग बच्चों एवं निशक्तजनों के लिए क़ानूनी प्रावधान,विशिष्ट शिक्षा का प्रबंध, उनमे विकलांगता की पहचान करना एवं सामान्य विद्यालयों में समावेशी शिक्षा के अंतर्गत उनको प्रवेश देना उनके शैक्षिक अधिकारों ,पुनर्वास सम्बन्धी अधिकारों एवं नई तकनीकियों के माध्यम से शिक्षण एवं केन्द्र-राज्य सरकारों द्वारा किये जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी देना है| साथ ही मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा इस प्रकार की कार्यशाला को शिक्षकों के लिए लाभकारी बताया और अपेक्षा की कि वे कार्यशाला से प्राप्त प्रशिक्षण तकनीकियों का अपने विद्यालयों में अच्छा उपयोग कर सकेंगे|

प्रतिभागी शिक्षक हरिदत्त भट्ट ने अपेक्षा की कि इस कार्यशाला के द्वारा से शिक्षकों को दिव्यांग बच्चों को सामान्य विद्यालयों में पढ़ाने से सम्बंधित तकनीकी के प्रशिक्षण से अपने विद्यालय में नामांकित और आस पास के दिव्यांग बच्चों के हितार्थ कुछ किया जा सकेगा| साथ ही समाज को जागरूक किये जाने में सहायता मिल सकेगी|

कार्यशाला के तकनीकी सत्रों में डॉ सतीशचन्द्र ने प्रतिभागियों को विकलांगता को परिभाषित करते हुए इसके प्रकारों एवं विकलांगता के प्रति बनी अवधारणाओं कों स्पष्ट किया। और भारतीय पुनर्वास परिषद् एक्ट १९९२ के बारे में विस्तार से बताया साथ ही नवीन दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम जों कि 2018 में लागू किया गया उसमें सम्मिलित नवीन विभिन्न दिव्यन्तताओं की श्रेणी के विषय में बताया। डॉ राकेश ने सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों की जानकारी दी और समावेशी शिक्षा एवं एकीकृत शिक्षा के संप्रत्यय से प्रतिभागियों को अवगत कराने के साथ ही सामान्य विद्यालयों में दिव्यांग बच्चों की शिक्षा के लिए की जाने वाली व्यवस्था के विषय में जानकारी दी। श्री जितेंदर प्रताप सिंह द्वारा विकलांगता के विभिन्न श्रेणी और उप श्रेणीयों के विषय में जानकारी प्रदान की और साथ ही विकलांगता को पहचानने सम्बन्धी वैज्ञानिक विधियों, उनका कारण, एवं शीघ्र हस्तक्षेपन के विषय में बताया। अनमोल फाउंडेशन की श्रीमती मीनाक्षी चौहान द्वारा मूक बधिर बच्चों की शिक्षा हेतु निर्धारित विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों हेतु प्रयुक्त सांकेतिक भाषा के विषय में बताया गया।

कार्यशाला में दिव्यांगों के शैक्षिक पुनर्वास पर जोर

अल्मोड़ा। एसएसजे परिसर के गणित विभाग में सेवारत शिक्षकों और प्रशिक्षुओं के लिए दिव्यांग शिक्षा विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला हुई। कार्यशाला में वक्ताओं ने दिव्यांगों के शैक्षिक पुनर्वास पर जोर दिया। समन्वयक डॉ. ममता असवाल ने कार्यशाला के उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी। उत्तराखंड मुक्त विवि के विशिष्ट शिक्षा विभाग के समन्वयक डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल ने कहा कि दिव्यांगों के लिए बाधा रहित वातावरण जरूरी है और उनका शैक्षिक पुनर्वास सभी का कर्तव्य है। कार्यशाला में दिव्यांगों के लिए प्रयोग में लाई जाने वाली साइन लैंग्वेज से भी अवगत कराया गया। संचालन हरिदत्त भट्ट ने किया। कार्यशाला परिसर के शिक्षा संकाय, उत्तराखंड मुक्त विवि हल्द्वानी के विशिष्ट शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित की गई है। इस मौके पर डॉ. जितेंद्र प्रताप सिंह, मीनाक्षी, सतीश चौहान, सतीश कुमार, कहकशा खान, नरेंद्र, मनोज, ललित, कशिश रौतेला, दिव्या जोशी, अंकिता, सौम्या, विमला खनी, पल्लवी पांडे, राजेश सिंह, कल्पना तिवारी, गीता, खुशबू आदि मौजूद थे। ब्यूरो

दिव्यांगों के शैक्षिक पुनर्वास पर दिया जोर

अल्मोड़ा। सोबन सिंह जीना परिसर में शुक्रवार को शिक्षा संकाय एवं उत्तराखंड मुक्त विवि हल्द्वानी के विशिष्ट शिक्षा विभाग की ओर से दिव्यांग शिक्षा विषय पर सेवारत शिक्षकों व प्रशिक्षुओं का कार्यशाला का आयोजन गणित विभाग के सभागार में किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ अतिथियों ने दीप जलाकर किया।

दो दिवसीय कार्यशाला के प्रथम दिवस विशिष्ट शिक्षा विभाग के समन्वयक डा. सिद्धार्थ पोखरियाल ने कार्यशाला में मौजूद प्रशिक्षणार्थियों को दिव्यांगों के लिए बाधारहित वातावरण और शैक्षिक पुनर्वास पर जोर देते दिव्यांगता के प्रकारों में लाई जाने वाली साइन लैंग्वेज की जानकारी दी। कार्यशाला का संचालन हरिदत्त भट्ट ने किया।

दिनाँक 15 जून, 2019 को कार्यशाला के दूसरे दिवस के सत्रों में विषय विशेषज्ञ डॉ राकेश शर्मा द्वारा विकलांगता के हस्तक्षेपन में कार्य करने वाले विशेषज्ञों की भूमिका और उत्तरदायित्वों के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की साथ ही दिव्यांग बच्चों और व्यक्तियों के लिए बनाये जाने वाले प्रमाण पत्रों की प्रक्रिया कों बताया| भारतीय पुनर्वास परिषद् एवं राष्ट्रीय न्यास के द्वारा चलायी जा रही योजनाओं एवं UNCRPD के विषय में जानकारी दी| क़ानूनी रूप से रोजगार के प्रावधानो कों स्पष्ट किया| विषय विशेषज्ञ डॉ सतीश चन्द्र ने प्रतिभागियों को विकलांगता के कारण बच्चों में होने वाली मानसिक बीमारी, उसका मनोसामाजिक प्रभाव के विषय में बताया, मानसिक रूप से मंद बच्चों के लिए व्यक्तिगत शैक्षिक कार्यक्रम कैसे बनाये जाये इसके विषय में प्रशिक्षण दिया| नेत्रहीन बच्चों के लिए ब्रेल लिपि के विषय में बताया| श्रीमती मीनाक्षी चौहान द्वारा बाधा रहित वातावरण, समावेशन के विषय पर जानकारी दी और विकलांगता का परिवार पर पड़ने वाले प्रभाव को बताया|साथ ही विकलांग बच्चों के चिन्हीकरण, शैक्षिक पुनर्वास एवं उपचारार्थ हेतु शीघ्र हस्तक्षेपन केन्द्र (Early Intervention Centre) के विषय में बताया| मूक बधिर व्यक्ति और बच्चों को Sign language (प्रतीकों के माध्यम अथवा इशारों द्वारा भाषा की अभिव्यक्ति) से अध्यापन की विधि बताई और कार्यशाला के प्रतिभागियों को उनका अभ्यास करवाया| डॉ जितेंदर प्रताप ने समावेशी शिक्षा के सन्दर्भ में केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों की जानकारी दी साथ ही निशक्तजन के लिए बाधा रहित पर्यावरण निर्माण एवं रोजगार सर्जन के विषय में बतलाया| शिक्षण एवं कौशल प्रशिक्षण की योजनाओं, राष्ट्रीय विकलांग वित्त विकास निगम के विषय में बताया|कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने भारतीय पुनर्वास परिषद् द्वारा विशिष्ट शिक्षा से सम्बंधित चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों के विषय में बताया| एवं निशक्तजनों हेतु उपलब्ध रोजगार एवं नौकरियों की जानकारी के विषय में बताया|

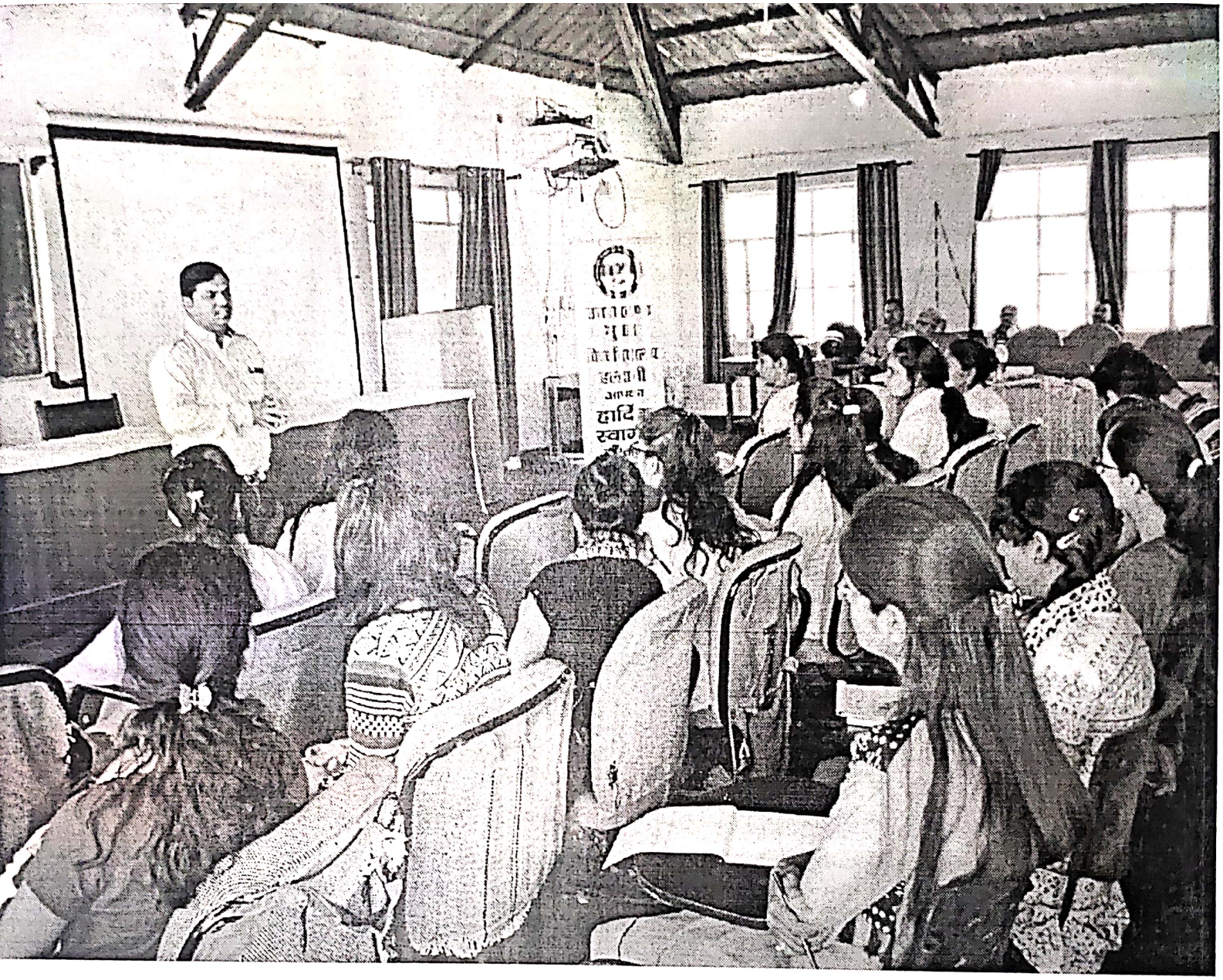

कार्यशाला के समापन सत्र में डॉ ममता असवाल व कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल और विषय विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को प्रतिभाग का प्रमाण पत्र प्रदान किया|इससे पूर्व अपने संबोधन में डॉ ममता असवाल ने दिव्यांग बच्चों की शिक्षा हेतु शिक्षकों के इस प्रकार के प्रशिक्षण चलाये जाने हेतु उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी और भारतीय पुनर्वास परिषद्, नई दिल्ली द्वारा दिव्यांगता के क्षेत्र में किये जा रहे प्रयासों की सराहना की और इनकी शिक्षा में आने वाली चुनोतियों के समाधान कि लिए हमे प्रयास करने होंगे|

तिभागी शिक्षक श्री हिमांशु जोशी द्वारा इस प्रकार की कार्यशाला को अल्मोड़ा में आयोजित कराने का धन्यवाद ापित किया और कार्यशाला में दिव्यांग बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण, शिक्षण की तकनीकी लेने के बारे में समस्त तिभागियों के लिए उपयोगी बताया | प्रतिभागी प्रशिक्षु शिक्षिका कशिश रौतेला ने बताया कि दिव्यांग बच्चों को ढ़ाने हेतु आयोजित की गयी इस कार्यशाला से हम सभी को नवीन जानकारी नई तकनीकी का ज्ञान मिला है साथ ही दिव्यांगता से सम्बंधित कई भ्रांतियों का निराकरण भी हुआ और दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों को दिव्यांग बच्चों के अधिकारों को जागरूक करने में इस कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को सहायता मिलेगी| कार्यक्रम के अंत में कार्यशाला के संयोजक एवं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विशिष्ट शिक्षा विभाग के कार्यशाला संयोजक डॉ. सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल ने त्रिदिवसीय कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की| हरिदत्त भट्ट ने आमंत्रित मुख्य अतिथि, विषय विशेषज्ञों एवं अल्मोड़ा जिले के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया|

दिव्यांगों की शिक्षा से जुड़ी चुनौतियों का हल बताया

कार्यशाला

अल्मोड़ा | हमारे संवाददाता

कुमाऊं विश्वविद्यालय से संबद्ध सोबन सिंह जीना परिसर में 'दिव्यांग.शिक्षा' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का शनिवार को समापन हो गया है।

कार्यशाला में दिव्यांगों की शिक्षा से जुड़ी विभिन्न चुनौतियों के समाधान का प्रशिक्षण प्रशिक्षुओं को दिया गया। समापन अवसर पर सभी शिक्षक और प्रशिक्षुओं को भारतीय पुनर्वास परिषद की ओर से प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। एसएसजे परिसर के गणित विभाग के सभागार में शिक्षा संकाय और उत्तराखंड मुक्त विवि के संयुक्त प्रयासों पर आयोजित कार्यशाला में सेवारत शिक्षकों व प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण के दूसरे दिन मीनाक्षी चौहान और सतीश चौहान की ओर से प्रशिक्षुओं को ब्रेल लिपि के बारे में जानकारी दी। डा. जितेंद्र प्रताप सिंह ने दिव्यांगता के प्रकार तथा डा.सतीश चंद्र ने दिव्यांगों के लिए समावेशी तथा सुलभ वातावरण बनाने पर चर्चा की। मुख्य समन्वयक डा.ममता असवाल ने दिव्यांगों के शिक्षा से जुड़ी चुनौतियों के समाधान पर जोर दिया। यूओयू के विशिष्ट शिक्षा संकाय के समन्वयक डा. सिद्धार्थ की ओर से शैक्षिक पुनर्वास पर बल दिया गया। संचालन हरि दत्त भट्ट ने किया। इस मौके पर सतीश कुमार, नूर बानो, खुशबू, सौम्या कांडपाल, मनोज काकी, हरिओम, हिमांशु मौजूद रहे

प्रशिक्षुओं को ब्रेल लिपि के बारे में बताया

अल्मोड़ा। कुविवि एसएसजे परिसर के गणित विभाग में दिव्यांग शिक्षा विषय पर शनिवार को दूसरे दिन भी कार्यशाला जारी रही। कार्यशाला में प्रशिक्षुओं को ब्रेल लिपि के बारे में बताया गया और दिव्यांगों के लिए समावेशी और सुलभ वातावरण बनाने और सामुदायिक आधारित पुनर्वास पर गहनता से चर्चा की गई। शिक्षकों और प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण कार्यक्रम में मीनाक्षी चौहान, सतीश चौहान ने ब्रेल लिपि की जानकारी दी। डॉ. जितेंद्र प्रसाद ने दिव्यांगता के प्रकारों के बारे में बताया। मुख्य समन्वयक डॉ. ममता असवाल ने दिव्यांग शिक्षा पर आयोजित कार्यशाला के दूरगामी और सकारात्मक प्रभावों के साथ दिव्यांग शिक्षा से जुड़ी विभिन्न चुनौतियों के समाधान होने पर विशेष जोर दिया।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी एवं राष्ट्रीय दृष्टि बाधित दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान, देहरादून के संयुक्त तत्वाधान में विशेष शिक्षा में सहायक उपकरणों की भूमिका विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान के परिसर में किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय प्रो ओम प्रकाश सिंह नेगी ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय सूचना तकनीकी का है और डिजिटल तकनीकी का प्रयोग कोविड काल ने हम सब को करना सिखा दिया है। दिव्यांग जनों के लिए समय आ गया है कि नवीन तकनीकी एवं नवीन सहायक उपकरणों का निर्माण कर उनका सशक्तिकरण किया जाए। सूचना क्रांति के माध्यम से समय की आवश्यकता एवं परिस्थिति के अनुरूप उनके पाठ्यक्रम में परिवर्तन कर अधिक से अधिक तकनीकी यों का समावेश उनके लिए किया जाना आवश्यक है जिससे कि हम एक उपयोगी समावेशी समाज का निर्माण कर सकें जिसमें कि दिव्यांगजन अपनी महती भूमिका निभा सकें। साथ ही उन्होंने मुक्त विश्वविद्यालय का एक अध्ययन केंद्र संस्थान में खोलने के लिए बात की साथ ही दिव्यांगजनों के लिए पुस्तकों के निर्माण एवं संस्थान के मॉडल विद्यालयमें अध्यनरत दृष्टिबाधित बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए मुक्त विद्यालय के अध्ययन के अंदर प्रवेश दिलाने की का अनुरोध संस्थान के निदेशक से किया साथ ही उनके लिए ब्रेल लिपि में पुस्तकों का संपादन संस्थान की प्रयोगशाला में करवाने की बात कही। दृष्टिबाधितार्थ सशक्तिकरण संस्थान के निदेशक डॉ हिमांशु दास ने अपने उद्बोधन में बताया कि वर्तमान में दिव्यांग जनों के लिए शैक्षिक और पुनर्वास के संस्थान उनकी जनसंख्या के अनुरूप बहुत ही कम है। इसके लिए हम सबको सेवा प्रदाता के रूप में कार्य करना होगा।दूरस्थ शिक्षा की अपनी एक महत्वपूर्ण भूमिका है इसका लाभ दिव्यांगजनों को सशक्त करने में लिया जा सकता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय यथाशीघ्र दिव्यांग जनों के लिए अपना एक अध्ययन केंद्र परिसर में स्थापित करेगा जिससे कि दिव्यांगजनों को उच्च शिक्षा लेने में कोई समस्या नहीं आएगी। कार्यशाला में प्रतिभागियों को संस्थान की गतिविधियों से परिचय कराने हेतु भ्रमण भी कराया गया।कार्यक्रम के संयोजक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल ने आशा व्यक्त की कि इस तरह के कार्यक्रमों से विशेष शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाले लोग दिव्यांग जनों के सशक्तिकरण में सहायता प्राप्त कर सकेंगे। कार्यशाला के पंकज कुमार ने आमंत्रित अतिथियों ने प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित करने के साथ ही ब्रेल लिपि कन दृष्टि भतार दिव्यांगों के अध्ययन में क्या भूमिका है उसके विषय में अवगत कराया। कार्यशाला में निदेशक डॉ हिमांशु दास एवं मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओम प्रकाश सिंह नेगी द्वारा संयुक्त रूप से राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान की पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। कार्यशाला में संस्थान के सहायक प्राध्यापक डॉ विनोद केन डॉ सुनील शिरपुरकर डॉ आरपी सिंह, बृजमोहन सिंह खाती समेत मुक्त विश्वविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ अंजली सिंह द्वारा किया गया।

अमर उजाला

दिव्यांगजनों के लिए नवीन तकनीक के निर्माण पर जोर

देहरादून। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय दृष्टि बाधित दिव्यांगजन सशक्तीकरण संस्थान की ओर से कार्यशाला का आयोजन किया। इस दौरान दिव्यांगजनों के लिए नवीन तकनीक एवं नवीन सहायक उपकरणों का निर्माण कर उनका सशक्तीकरण करने पर जोर दिया गया।

विशेष शिक्षा में सहायक उपकरणों की भूमिका विषय पर हुई कार्यशाला में अध्यक्षता कर रहे उत्तराखंड मुक्त विवि के कुलपति प्रो. ओम प्रकाश सिंह नेगी ने कहा कि वर्तमान समय सूचना तकनीकी का है। डिजिटल तकनीकी का प्रयोग कोविड काल ने हम सभी को करना सिखा दिया है। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम में परिवर्तन कर अधिक से अधिक तकनीकियों का समावेश किया जाना जरूरी है। एनआईईपीवीडी के निदेशक डॉ. हिमांशु दास ने उम्मीद जताई कि उत्तराखंड मुक्त विवि जल्द ही दिव्यांगजनों के लिए अपना एक अध्ययन केंद्र परिसर में स्थापित करेगा। मासिरि.

हिन्दुस्तान

दिव्यांगों की उच्च शिक्षा को बनेगा केंद्र

देहरादून। उत्तराखंड मुक्त विवि में दिव्यांगों की उच्च शिक्षा के लिए अलग से अध्ययन केंद्र बनाया जाएगा। शुक्रवार को राजपुर रोड स्थित राष्ट्रीय दृष्टि बाधित दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान में हुई कार्यशाला में यह ऐलान किया गया। विवि कुलपति प्रो. ओम प्रकाश सिंह नेगी ने कहा कि वर्तमान समय सूचना तकनीकी का है और डिजिटल तकनीकी का प्रयोग कोरोनाकाल ने हम सब को करना सिखा दिया है। उन्होंने इनके लिए मुक्त विवि में अध्ययन केंद्र खोलने की बात भी की। संस्थान के निदेशक डॉ. हिमांशु दास ने भी इस मौके पर संबोधित किया।

दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार रिपोर्ट - नई शिक्षा नीति 2019 और इसका दिव्यांगजनों के शिक्षा पर पड़ने वाले प्रभाव

भारतीय समाज अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के वित्तीय सहयोग से उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी द्वारा नई शिक्षा नीति 2019 और इसका दिव्यांगजनों के शिक्षा पर पड़ने वाले प्रभाव से संबंधित विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन दिनांक 14 - 15 मार्च 2020 को दून विश्वविद्यालय के सभागार में किया गया। सेमीनार का उद्घाटन श्री तीरथ सिंह रावत माननीय सांसद गढ़वाल लोकसभा क्षेत्र, प्रोफेसर पीपी ध्यानी माननीय कुलपति श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय और उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओ पी एस नेगी व संयोजक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल द्वार संयुक्त रूप से किया गया। श्री तीरथ सिंह रावत माननीय सांसद गढ़वाल लोकसभा क्षेत्र द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय राज्य में दुर्गम क्षेत्रों मे उच्च शिक्षा का प्रसार कर रहा है जो बहुत सराहनीय है।

प्रोफेसर पीपी ध्यानी, कुलपति श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षण संस्थानों में इस तरह के विषयों पर सेमीनार का आयोजन किया जाना बहुत आवश्यक है, ओ

दूरस्थ शिक्षा वर्तमान में प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा उपलब्ध कराने का कार्य करती है।और मुक्त विश्वविद्यालय अपने लक्ष्यों की पूर्ति करता है।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओ पी एस नेगी ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय आज राज्य के प्रत्येक स्थान पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के साथ ही विध्यार्थियों को शिक्षित व स्वाबलम्बी बना रहा है। मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा दिव्यांगता जैसे संवेदनशील विषय पर बी.एड. (विशेष शिक्षा) पाठयक्रम का संचालन किये जाने के साथ ही दिव्यांगों के लिये सामान्य विषयों के पाठयक्रमों में प्रवेश दिये जाने की व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है।

उन्होनें आशा व्यक्त की कि इस सेमीनार के माध्यम से दिव्यांगों की शिक्षा व्यवस्था को नयी दिशा मिलेगी। सेमिनार के संयोजक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा नयी शिक्षा नीति का दिव्यांगजनों की शिक्षा पर प्रभाव विषयक सेमीनार के उद्देश्यों एवं भूमिका प्रस्तुत की गयी।

सेमिनार के प्रथम दिवस डॉ विनोद केन प्राध्यापक राष्ट्रीय दृष्टि बधितार्थ संस्थान, देहरादून द्वारा सेमिनार के मुख्य विषय नयी शिक्षा नीति का दिव्यांगजनों की शिक्षा पर प्रभाव विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए गए। उसके पश्चात विषय वस्तु से संबंधित विभिन्न सत्रों का आयोजन किया गया जिनमें नई शिक्षा नीति का विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा में भूमिका, नई शिक्षा नीति की दूरस्थ शिक्षा के संवर्धन में भूमिका, नई शिक्षा नीति का तकनीकी ज्ञान पर आधारित शिक्षा में भूमिका विषय पर विभिन्न सत्रों का आयोजन करते हुए शोधार्थियों द्वारा अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए गए जिनमें सत्रों के अध्यक्षता करते हुए विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा उनकी समीक्षा करते हुए उनकी सराहना की गई। प्रथम सत्र में नयी शिक्षा नीति का शिक्षक शिक्षा पर प्रभाव विषय पर सत्र की अध्यक्षता डॉ दलजीत कौर पूर्व प्राध्यापक दयानंद वूमेन कालेज, देहरादून व शिवानी जैन, प्राध्यापक इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय नयी दिल्ली द्वारा की गयी। जिसमें 07 शोध पत्र नयी शिक्षा नीति का शिक्षक शिक्षा पर प्रभाव विषय पर आधारित रहें।

दूसरे सत्र में नयी शिक्षा नीति ओर तकनीकी आधारित ज्ञान विषय पर सत्र की अध्यक्षता प्रो. दुर्गेश पंत, निदेशक कम्प्यूटर विज्ञान विभाग, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय व डॉ जितेंदर

ताप, सहायक प्राध्यापक , रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली द्वारा की गयी। जिसमें 10
पत्र नयी शिक्षा नीति ओर तकनीकी आधारित ज्ञान विषय पर प्रस्तुत किये गये। तीसरे
नयी शिक्षा नीति ओर दिव्यांगजनों की शिक्षा विषय के सत्र की अध्यक्षता डॉ सतीश
ाध्यापक, अमर ज्योति विशेष शिक्षा कालेज, ग्वालियर व निधि बडथ्वाल, सह
ाध्यापिक, पौडी परिसर, हे.न.ब. गढवाल केंद्रीय विश्वविद्यालय, श्रीनगर द्वारा की गयी। जि
1 शोध पत्र नयी शिक्षा नीति ओर ओर दिव्यांगजनों की शिक्षा विषय पर प्रस्तुत किये
ोमिनार के दूसरे दिन दिनांक 15 मार्च 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एस
ोखरियाल द्वारा नई शिक्षा नीति में उच्च शिक्षा के मूल्यांकन और गुणवत्ता संबंधित विषय
पना व्याख्यान प्रस्तुत किया गया साथ ही नई शिक्षा नीति में नवीन दिव्यांगजन अधि
धिनियम की भूमिका की रूपरेखा की चर्चा की गयी। दूसरे दिन के पहले सत्र में नई शि
ीति और उच्च शिक्षा की गुणवत्ता का मूल्यांकन विषय पर सत्र की अध्यक्षता प्रो. जी.
सवाल, पूर्व डीन, शिक्षा संकाय, हे.न.ब. गढवाल केंद्रीय विश्वविद्यालय, श्रीनगर व प्रोफे
एस सी पोखरियाल द्वारा द्वारा किया गया। जिसमें 05 शोध पत्र नई शिक्षा नीति और उ
शेक्षा की गुणवत्ता का मूल्यांकन विषय पर प्रस्तुत किये गये।

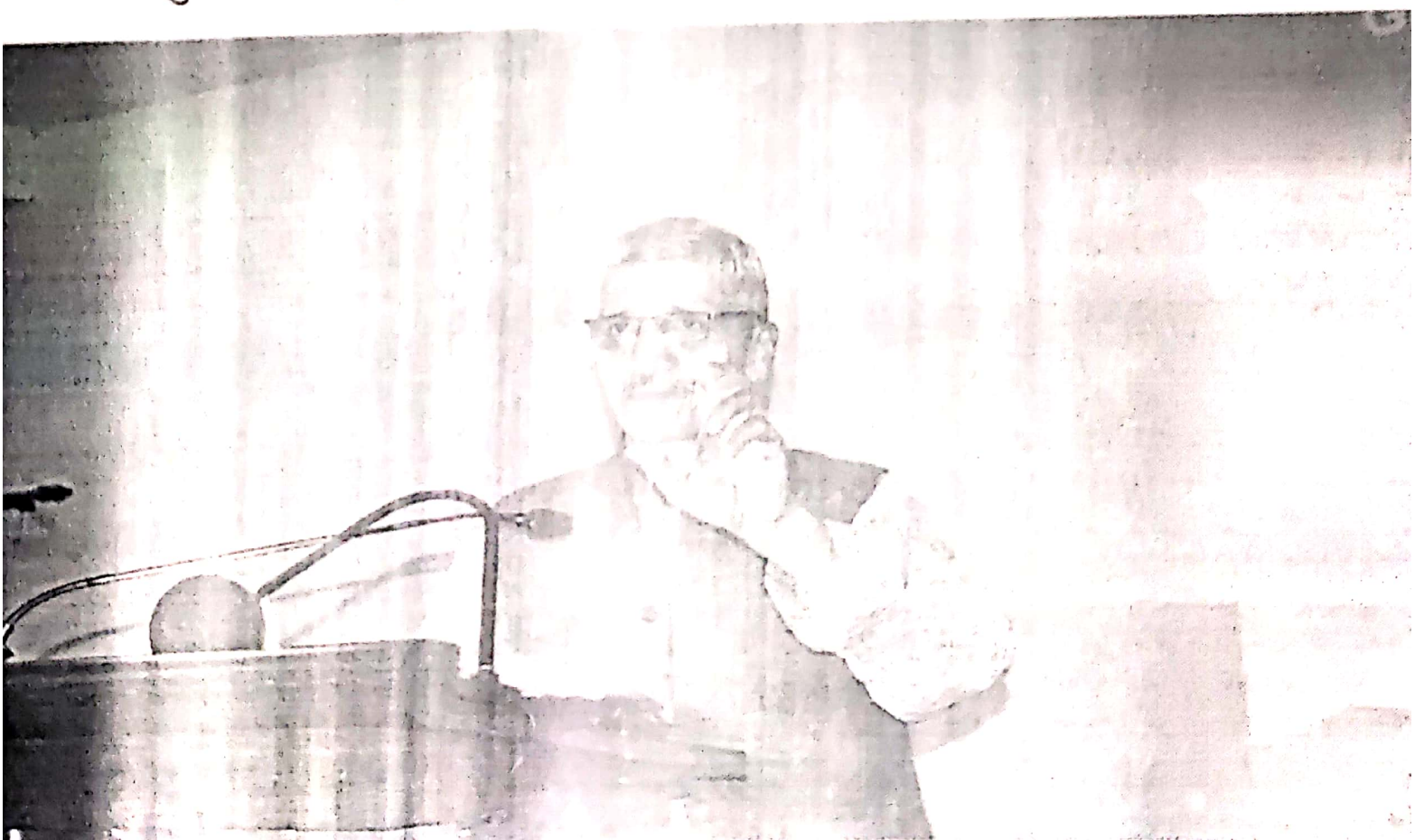

दूसरे दिन के दूसरे सत्र में नई शिक्षा नीति और दूरस्थ शिक्षा विषय पर सत्र की अध्यक्षता प्रो. अवनीश अग्रवाल, प्राध्यापिक, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, लखनऊ, परिसर, व डॉ गीतिका मेहरोत्रा, प्राचार्य द्वारा की गयी। जिसमें 08 शोध पत्र नई शिक्षा नीति और दूरस्थ शिक्षा विषय पर प्रस्तुत किये गये। दूसरे दिन के तीसरे सत्र में नई शिक्षा नीति और नवीन दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम विषय पर सत्र की अध्यक्षता डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल, समंवयक, विशेष शिक्षा विभाग, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय व दिव्या नेगी, अध्यक्षा, कल्याणम, विशेष शिक्षा संस्थान, हल्द्वानी द्वारा की गयी। जिसमें 05 शोध पत्र नई शिक्षा नीति और नवीन दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम विषय पर प्रस्तुत किये गये।

साथ ही एक विशेष सत्र जिसमें सभी विशेष शिक्षकों के साथ संवाद से संबंधित था उसका आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न राष्ट्रीय संस्थानों और विश्वविद्यालयों मे इसे शिक्षा से संबंधित विशेषज्ञों के माध्यम से उन सभी समस्याओं का निराकरण करने संबंधी और प्राप्त सुझावों को सामान्य सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय एवं भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय को अनुशंसा के तौर पर भेजने पर सहमति व्यक्त की गई।

सेमिनार के समापन सत्र पर राज्य के प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा श्री आनंद वर्धन जी, दून विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एके कर्नाटक जी एवं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओ पी एस नेगी द्वारा इस सेमिनार का समापन किया गया। प्रमुख सचिव उच्च

[illegible] श्री आनंद वर्धन जी द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि दूरस्थ शिक्षा दिव्यांगजनों के लिये एक सशक्त माध्यम बन सकती है। संगोष्ठी का विषय वर्तमान परिस्थितियों के हिसाब से बहुत प्रासंगिक है। उन्होने विश्वविद्यालय से आग्रह किया कि सेमीनार के मुख्य बिंदुओं को शासन को भेजा जाये, जिससे राज्य में शिक्षा को बेहतर बनाये जाने की दिशा में कार्य किये जा सकें।

दून विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर [illegible] कर्नाटक जी द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा इस संवेदनशील विषय पर सेमीनार का कराया जाना इसके महत्व को दर्शाता है। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओ पी एस नेगी द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय का शुरू से प्रयास रहा है कि राज्य के प्रत्येक व्यक्ति तक उच्च शिक्षा पहुंचे। दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिये विश्वविद्यालय द्वारा विशेष पाठयक्रम चलाये जा रहे हैं। जिनका लाभ उनको मिल रहा है। सेमिनार में लगभग 150 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। सेमिनार के अंत में संयोजक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल के द्वारा बताया गया कि सेमिनार में प्रस्तुत किए गए शोध पत्रों एवं सुझावों की एक रिपोर्ट राज्य के उच्च शिक्षा विभाग एवं भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय को भेजी जाएगी।

Director, School of Health sciences

Department of Home Science is organizing various events on the occasion of National Nutrition Week from 1-7 September, 2017. A brief outline of the events is as follows:

1st September, 2017: Nutritional awareness camp at village (Talli Haldwani) adopted by UOU.
4th September, 2017: One day workshop on "Healthy Nutrition: Healthy Living" at UOU.
6th September, 2017: Poster making competition at UOU.
7th September, 2017: Quiz competition at UOU.

Radio talks on different aspects of Nutrition will be broadcast during the whole week too.
Following is the list experts who have consented to be the resource persons for the said workshop:

- Dr. R. S. Raghuvanshi, Professor and Dean, College of Home Science, GB Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar
- Prof. Deeksha Kapur, Deptt. of Nutritional Sciences, School of Continuing Education, IGNOU, New Delhi
- Prof. Lata Pandey, HOD, Department of Home Science, DSB Campus, Kumaon University, Nainital

Dr. R. S. Raghuvanshi and Prof. Lata Pandey would be coming by private taxi/own car. Kindly grant the approval for the same.

The details of the estimated expenditure for all the events are as follows:

Detail	Estimated expense
Resource person's TA	Rs. 5000/-
Resource person's Honorarium	Rs. 4500/-
Lunch/Tea (Resource Persons and External Participants)	Rs. 8000/-
Workshop Banner and Stationery	Rs. 4000/-
Mementoes and Bouquets (for workshop) and Prize (Poster & Quiz competition)	Rs. 9000/-
Total estimated Expenditure: Rs. 30500/-	

In view of above an advance of Rs. 30500/- is required. University vehicle will also be required for local conveyance on 4th Spetember, 2017, i.e., on the day of workshop.
Submitted for your kind perusal and necessary action.

Dr. Preeti Bora
Department of Home Science

निदेशक
प्रबन्धन विज्ञान विद्यापीठ
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी– 263139

Director
School of Management
Studies and Commerce
Uttarakhand Open University
Haldwani- 263139

Director, School of Health sciences

With reference to Note page no.1 content, one of the resource persons, Dr. R. S. Raghuvanshi, Professor and Dean, College of Home Science, GB Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar has expressed her inability to come on the day of workshop due to her urgent personal commitment at college. In this case another subject expert Dt. Prerna Pal (Ex-Dietitian St. Stephen's Hospital, Delhi and Artemis Hospital, Gurgaon) was contacted. She has consented to come and agreed to be a Resource Person for the workshop. Kindly grant approval for the same.

Submitted for your kind perusal and necessary action.

Dr. Preeti Bora
Department of Home Science

निदेशक
स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी– 263139

Director, School of Health Sciences

Department of Home Science is organizing various events on the occasion of National Nutrition Week from 1-7 September, 2018. A brief outline of the events is as follows:

1st September, 2018: National Nutrition Week theme, 2018 based Radio talk at UOU.
4th September, 2018: Visit to different Aanganvadi centers for nutrition awareness and education to beneficiaries of Aanganvadi.
5th September, 2018: Visit to different Aanganvadi centers for nutrition awareness and education to beneficiaries of Aanganvadi.
6th September, 2018: Poster competition at UOU.
7th September, 2018: Quiz competition at UOU and prize distribution.

The details of the estimated expenditure for the events are as follows:

Detail	Estimated expense
Prize (Poster & Quiz competition) and Refreshment of the participants.	Rs. 2000/-

Submitted for your kind perusal and necessary action.

Dr. Preeti Bora
Department of Home Science

Director, School of Health Sciences

The department of Home science is organizing a webinar on the occasion of "World Food Safety Day" on 7th of June, 2021. Following experts have consented to be the resource persons for the said webinar:

- Key note speaker: Professor Sarita Srivastava, HOD, Department of Foods and Nutrition, College of Home Science, GB Pant University of Agriculture and Technology, Pantnagar.
  Topic: Holistic approach to food safety
- Dr. Anju Thathola, HOD, Department of Home Science, MBPG College, Haldwani, Kumaon University.
  Topic: Food safety: Introduction and safety measures.

In view of the Covid-19, the webinar will be conducted in virtual mode (Google Meet/ Zoom), for which the cooperation of I.C.T. Department (for providing meeting I.D. and connection etc.) is required.

Submitted for your kind perusal and necessary action.

Department of Home Science

निदेशक
स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी– 263139

The Department of Home Science celebrates **National Nutrition Week** during 1-7 September every year. Various events like nutritional awareness camps, workshops, chart and poster making competitions, quiz competitions, dietary counseling sessions has been organized by the department previously during this week. Although situations are restricted this year due to current pandemic, the department proposes to celebrate the upcoming nutrition week. A brief outline of the proposed events during 1-7th September is as follows:

1st-3rd September, 2020: Radio talks on different aspects of Nutrition by the faculty of Home Science will be broadcasted. Following topics to be covered:

- EAT RIGHT DURING COVID-19.
- COVID-19 AND GLOBAL FOOD SECURITY.
- EFFECT OF COVID-19 ON DAILY ROUTINE AND HEALTH OF CHILDREN.

4th September, 2020: Online Quiz Competition.

7th September, 2020: Online Slogan Competition for students.

Proposed for your kind perusal and permission.

Head
Department of Home Science

Director, School of Health Sciences

The Department of Home Science celebrates "**National Nutrition Week**" during 1-7 September every year. Various events like nutritional awareness camps, workshops, chart and poster making competitions, quiz competitions, dietary counseling sessions has been organized by the department previously during this week. Due to current pandemic situations of COVID-19, the department proposes to celebrate the upcoming nutrition week in virtual mode. A brief outline of the proposed events during 1-7th September is as follows:

1st-3rd September, 2021: Radio talks on different aspects of Nutrition by the faculty of Home Science will be broadcasted. As the theme for this year's Nutrition week is "Feeding smart right from start", the following topics to be covered:

- IMPORTANCE OF COMPLEMENTARY FEEDING.
- COVID-19 AND NUITRITION SECURITY AMONG INDIAN CHILDREN.
- IMPORTANCE OF LOCAL FOODS FOR GROWING CHILDREN.

4th September, 2021: Online Nutrition Quiz Competition.

6th September, 2021: Faculty of Home Science and Learners Interaction Session.

7th September, 2021: Online Weaning Food Recipe Competition for students.

Proposed for your kind perusal and permission.

(Department of Home Science)

Respected all,

Like previous years this year also the Department of Home Science, UOU is celebrating National Nutrition Week from 1 - 7 September 2019. National Nutrition Week is celebrated every year to promote nutritional awareness amongst people for healthy living. Deptt. of Home Science is organizing different activities during National Nutrition Week, which are as follows:

2nd September, 2019: Radio talk based on National Nutrition Week theme by Deptt. of Home Science (UOU).

3rd September, 2019: Radio talk by Dr. Vandana Pathak (Doctor of Ayurveda)

4th September, 2019: Guest lecture and Induction Programme for students of M.A. Home Science by Prof. Lata Pandey (HOD Department of Home Science DSB Campus Nainital) and a quiz competition for students and university employees.

5th September, 2019: Awareness camp at different Aanganvadi centers.

7th September, 2019: Diet counseling session by Dt. Deepti Saluja (Dietitian at Metrocity Hospital & Research Center, Rudrapur) for all employees of Uttarakhand Open University.

As the Diet counseling session by Dt. Deepti Saluja (Dietitian at Metrocity Hospital & Research Center, Rudrapur) is exclusively being organized for all employees of Uttarakhand Open University so you all are requested to attend the same and get benefitted.

Regards,

Deptt. of Home Science

Director, School of Health sciences

Department of Home Science is organizing various events on the occasion of National Nutrition Week from 1-7th September, 2019. A brief of the events is as follows:

2nd September, 2019: Awareness camp at different Aanganvadi centers.

3rd September, 2019: Radio talk based on National Nutrition Week theme.

4th September, 2019: Guest lecture and Induction Programme for students of M.A. Home Science.

5th September, 2019: Lecture by a Dietitian for all employees of Uttarakhand Open University.

6th September, 2019: Poster or Chart competition at UOU.

7th September, 2019: Quiz competition and Prize Distribution.

The details of the estimated expenditure for all the events are as follows:

Details	**Estimated expense**
Resource person's TA (2 experts)	3000
Resource person`s honorarium	3000
Lunch / snacks	3000
Banner and stationery	4000
Bouquets (for resource persons) and prizes (winner of poster/chart and quiz competition)	4000
Total estimated Expenditure: Rs. 17000/-	

In view of above an advance of Rs.17000/- is required. University vehicle will also be required for local conveyance and for Aanganvadi visits.

Submitted for your kind perusal and necessary action.

Mrs. Monika Dwivedi
Department of Home Science

गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी- 263139